

सदूर पुं. (तद्.) शार्दूल, चीता, सिंह, सदूर।

सदृश स्त्री. (तत्.) समान, जैसा, मिलता-जुलता, उसी मरतबेका, तुल्य, अनुरूप, योग्य, समुचित, उपयुक्त, समानरूपी, ठीक वैसा ही।

सदेह वि. (तत्.) देहयुक्त, शरीर युक्त, मूर्तिमान, प्रत्यक्ष क्रि.वि. शरीर धारण किए हुए, बिना शरीर छोड़े, इसी शरीर से, सशरीर।

सदैव क्रि.वि. (तत्.) सदा ही, सर्वदा ही, हमेशा।

सदोष वि. (तत्.) जिसमें दोष हो, दोष-युक्त, दोषी, अपराधी, अपराध करने वाला, रात्रि युक्त।

सद्गति स्त्री. (तत्.) 1. अच्छी गति, अच्छी दशा, अच्छे आदमियों का तौर-तरीका 2. मृत्यु के पश्चात् मोक्ष की प्राप्ति, मुक्ति, मरने के पश्चात् अच्छे लोक में जाना।

सद्गुण पुं. (तत्.) अच्छा गुण, भलमन साहत, सज्जनता।

सद्गुरु पुं. (तत्.) 1. धर्मगुरु 2. अच्छा गुरु, आध्यात्मिक गुरु, परमात्मा का साक्षात्कारी गुरु 3. परमात्मा।

सद्ग्रंथ पुं. (तत्.) उत्तम ग्रंथ, उत्तम पुस्तक, सदाचार की ओर प्रवृत्त करने वाली पुस्तक, आध्यात्मिक ग्रंथ, अच्छे रास्ते पर ले जाने वाला ग्रंथ।

सद्द पुं. (तद्.) शब्द, ध्वनि क्रि.वि. तद्. संध, तुरंत, तत्काल वि. तुरंत का बना, ताजा; शीघ्र, तुरंत।

सद्भाव पुं. (तत्.) 1. नेक मिजाजी, दयालुता, किसी के प्रति अच्छा और शुभ भाव, हित का भाव, दो पक्षों में मैत्रीपूर्ण स्थिति, प्रेम और हित का भाव 2. अस्तित्व, सत्ता, पदार्थों की वास्तविक स्थिति 3. मेल-जोल।

सद्भावना स्त्री. (तत्.) 1. सद्भाव, अच्छी और शुभ भावना, किसी के हित, मंगल या सद्भाव की भावना या कामना प्रकट करने की स्थिति 2. व्यापार में साख Goodwil

सद्धन पुं. (तत्.) 1. घर, सदन, रहने का स्थान, निवास-स्थान, पृथ्वी व अवकाश 2. मंदिर, वेदी 3. युद्ध, संग्राम।

सद्धर्म पुं. (तत्.) 1. श्रेष्ठ धर्म, अच्छा न्याय, अच्छा नियम 2. बौद्ध/जैन संप्रदाय।

सद्धिनी स्त्री. (तत्.) छोटा सुंदर घर, कोठरी।

सद्यः अव्य. (तत्.) तत्काल, तुरंत, आज ही, कुछ ही समय पहले, अभी-अभी, जल्दी ही, फौरन, तेजी से, हाल ही में, तत्क्षण, तेजी से।

सद्यःपाक वि. (तत्.) अभी पकाया हुआ, हाल ही में पकाया हुआ, ताजा ताजा बना हुआ, जिसका फल तुरंत नजर आए।

सद्यःप्रसूत वि. (तत्.) अभी-अभी जिसने जन्म लिया हो, नवजात।

सद्यःप्रसूता वि. (तत्.) स्त्री. जिसने अभी या कुछ ही समय पहले प्रसव किया हो, जिसने अभी-अभी जन्म दिया हो।

सद्य अव्य. (तत्.) दे. सद्य पुं. तत्. शिव का एक रूप।

सद्यस्क वि. (तत्.) वर्तमान काल का, उसी समय का, नूतन, अभिनव या ताजा, तात्कालिक।

सद्योजात वि. (तत्.) अभी पैदा हुआ, अभी या कुछ ही समय पहले उत्पन्न, नवजात पुं. शिव का एक रूप, हाल का उत्पन्न बछड़ा।

सद्र पुं. (अर.) 1. छाती, सीना 2. सर्वोच्च स्थान 3. सद्र 4. शीर्ष भाग, उच्च पदस्थ जनों के बैठने की जगह 5. सदर मुकाम 6. सभापति 7. मकान का सहन, सामने का रुखा।

सद्हर पुं. (तद्.) शाब्दिक, ध्वनिक।

सधर्मः वि. (तत्.) 1. सच्चा 2. समान 3. सदृश या अनुरूप गुणों से युक्त 4. एक ही नियम के अंदर आने वाला 5. एक जैसे कर्तव्यों वाला 6. उसी जाति या स्वभाव, गुण व संप्रदाय का, समान, मिलता-जुलता, सदृश, अनुरूप 7. पुण्यात्मा पुं. एक ही गुण या स्वभाव।

सधर्मक वि. (तत्.) दे. सधर्म।

सधर्मा वि. (तत्.) सधर्म, समान धर्म का अनुयायी, समान धर्मयुक्त।